मध्यप्रदेश विधान सभा

संक्षिप्त कार्य विवरण (पत्रक भाग-एक)

मंगलवार, दिनांक 8 मार्च, 2022 (फाल्गुन 17, शक संवत् 1943)

विधान सभा पूर्वाह्न 11:02 बजे समवेत हुई.

अध्यक्ष महोदय (श्री गिरीश गौतम) पीठासीन हुए.

1. विशेष उल्लेख

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सदन की कार्यवाही के प्रारम्भ में डॉ. नरोत्तम मिश्र, संसदीय कार्य मंत्री द्वारा यह उदगार व्यक्त किए गए कि -

“आज महिला दिवस है और आज इस सदन के अंदर में नारी शक्ति विराजमान हैं. मार्शल के रूप में हमारी बहन, हमारी बेटी आपके पीछे खड़ी हैं. " यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: " अर्थात् नारी का सम्मान जहां है, संस्कृति का उत्थान वहां है और यह सिर्फ हमारी धरा पर ही मिलता है. केवल हम भारत को माता कहते हैं. कोई भी विश्व के अंदर ऐसा देश नहीं है जिसको 'मां' का दर्जा मिला हो. हमारी संस्कृति में यह कहा गया है कि अगर हमें शक्ति चाहिए तो हम दुर्गाजी के पास, , विद्या चाहिए तो सरस्वती माता के पास, धन चाहिए तो लक्ष्मी जी के पास, ममता चाहिए तो यशोदा मां के पास, मातृत्व चाहिए तो गौरी जी के पास और प्रचण्ड शक्ति चाहिए तो माँ काली के पास जाते हैं. हमारे देश में ही कहते हैं कि "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" अर्थात जननी जन्मभूमि स्वर्ग से महान है, जिसके वास्ते यह तन है, मन है और प्राण हैं. जिसकी गोद में हजारों गंगा-जमुना झूलतीं है और जिसके पर्वतों की चोटियां गगन को चूमतीं है, भूमि यह महान है, निराली इसकी शान है, स्वतंत्र यह वसुंधरा, स्वतंत्र आसमान है. यह वह धरा है और इसलिए हम मां को नमन करते हैं.

हम मानते हैं कि ईश्वर सब जगह नहीं पहुंच सकता था, इसलिए उसने मां को बनाया. स्वयं गीले में रहकर अपने बच्चे को सूखे में सुलाने की ताकत अगर इस पृथ्वी पर किसी में है तो वह मां में ही है. आज भी हम आप पूजा आराधना में, इस सृष्टि में देखेंगे. सीताराम पहले सीता, राधेश्याम पहले राधे, गौरीशंकर पहले गौरी, लक्ष्मीनारायण पहले लक्ष्मी, यह इसी संस्कृति में है. विश्व में यह किसी संस्कृति में नहीं है. हमारे यहां शायरों ने बहुत अच्छी अच्छी बातें कही हैं कि -

"बुलंदियों का बड़ा से बड़ा मकां छुआ, ऊछाला गोद में मां ने तब आसमान छुआ."

"क्या सूरत, क्या सीरत थी, मां ममता की मूरत थी, पावं छुए और काम हुए, मां तो एक महूर्त थी"

आज ऐसी मातृ शक्ति को प्रणाम करने का दिन है और आज मैं आपके माध्यम से समस्त मातृ शक्ति को प्रणाम करता हूं.

आज हमारे माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्यमंत्री जी भी देवास में हैं, आसंदी ने आज सचिवालय में मातृ शक्ति का सम्मान किया है. हमने भी जीवन को गति देने वाली अपनी बेटियों को, अनियंत्रित गति को नियंत्रित करने के लिए पूरे प्रदेश में आज ट्रैफिक व्यवस्था उनके हाथ में दी है. मैं सभी को पुन: बधाई देता हूं.

श्री कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष ने उल्लेख किया कि आज महिला दिवस है, परन्तु मैं मातृ दिवस कहना चाहता हूं. मैं सब माताओं और बहनों को प्रणाम करता हूं. भारत की पहिचान हमारी संस्कृति, हमारी सभ्यता, हमारे देवी, देवताओं से भी है. ऐसा कोई देश पूरे विश्व में नहीं है, जहां इतनी देवियां हों. मुझसे एकबार विदेश में पूछा गया कि आप अपने देश को कैसे पुकारते हो ? मैंने कहा कि मदर इण्डिया कह कर. फिर पूछा गया कि मदर इण्डिया आप क्यों कहते हैं ? बाकी सब देश तो अपने आपको अलग-अलग नामों से पुकारते हैं. मैंने कहा, यही तो भारत की पहचान है. आज हम सब महिला दिवस पर बधाई देते हैं. आज हम श्रीमती कस्तूरबा गांधी जी को भी याद करते हैं. इन्होंने हमारा घर ही नहीं सम्भाला बल्कि अगर हम देश का इतिहास देखें, तो देश को आगे बढ़ाने में हमारी अनेक महिलाओं का योगदान था. इस सदन में हम अपने प्रजातंत्र के कारण खड़े हैं और यह प्रजातंत्र की लड़ाई हमारी अनेक माताओं और बहनों ने भी लड़ी थी. आज हमारी माताओं और बहनों का दिवस है. मैं उन्हें प्रणाम करता हूं. मैं आसंदी के समक्ष मेरा यह सुझाव है कि आज हम सब इस सदन की ओर से महिला दिवस की बजाए मातृ दिवस मनाने का दो लाइन का प्रस्ताव भी पारित करें.

अध्यक्ष महोदय ने महिला दिवस के उपलक्ष्य में अपने उद्गार प्रकट किये कि - "आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस है. मैं मातृ शक्ति को नमन करता हूं. प्रतिवर्ष 8 मार्च को आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक क्षेत्रों में महिलाओं के द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिये उनके प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति हेतु पूरे विश्व में महिला दिवस मनाया जाता है. हमारी संस्कृति में महिलाओं का स्थान सदैव ही उच्च रहा है. हमारे ग्रंथों में इस तरह के तमाम वर्णन हैं. हमारी परम्पराएं तथा लोकाचार यह सिखाता है कि नारी के प्रति आदर, सम्मान, श्रद्धा एवं कृतज्ञता का भाव हमेशा रहना चाहिये. आज महिलाएं आत्मनिर्भर और स्वतंत्र हैं. समाज में उनका महत्वपूर्ण स्थान है, उनकी भूमिका है. अपने गुणों के आधार पर वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सशक्त होकर स्वयं के, समाज के और राष्ट्र के विकास में महती भूमिका का निर्वहन और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं. आज मैं अपनी और पूरे सदन की ओर से इस सदन की सम्मानीय महिला सदस्यों सहित मध्यप्रदेश की समस्त महिलाओं को बधाई तथा शुभकामनाएं देते हुए उनकी चहुंमुखी प्रगति की कामना करता हूं. हमारे यहां पर जो महिलाएं बैठी हैं, इनको भी प्रणाम करता हूं और यह भी जानकारी देना चाहता हूं कि आज महिला मार्शल हमारी महिला शक्ति, नारी शक्ति मुझे लेकर के विधान सभा के भीतर आई हैं.

2. निधन का उल्लेख

अध्यक्ष महोदय द्वारा निम्नलिखित के निधन पर सदन की ओर से शोकोदगार व्यक्त किये गये :-

(1) श्री लक्ष्मीनारायण गुप्त, भूतपूर्व विधान सभा सदस्य,
(2) श्री रमेश वर्ल्यानी, भूतपूर्व विधान सभा सदस्य,
(3) श्री मदन सिंह डहरिया, भूतपूर्व विधान सभा सदस्य,
(4) श्री तिलक राज सिंह, भूतपूर्व संसद सदस्य, तथा
(5) सुश्री लता मंगेशकर, सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका.

डॉ. नरोत्तम मिश्र, संसदीय कार्य मंत्री, श्री कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष एवं डॉ. गोविन्द सिंह, सदस्य द्वारा शोकोदगार व्यक्त किये गये.

अध्यक्ष महोदय द्वारा सदन की ओर से शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की गई. सदन द्वारा 2 मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई.

तत्पश्चात् दिवंगतों के सम्मान में पूर्वाह्न 11.28 बजे विधान सभा की कार्यवाही बुधवार, दिनांक 9 मार्च, 2022 (18 फाल्गुन, शक सम्वत् 1943) के पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई.

ए. पी. सिंह,
प्रमुख सचिव,
मध्यप्रदेश विधान सभा.

भोपाल:
दिनांक: 8 मार्च, 2022